



# Km. Anshika Pandey

## अंशिका पाण्डेय

### Uttar Pradesh

### 14 years 8 months

**Deed:** On the morning of 14 September 2015, Anshika Pandey was going to her school on her bicycle. When she reached 500 meters away from her house, the driver of an SUV car stopped her to enquire about an address. When she started telling him the location, the driver requested her to tell this to the person sitting at the back seat. As she moved her bicycle back & started telling the address, that person tried to drag her inside by pulling her hair. Anshika put her feet near the car door so that the door could not be closed. That person asked the driver for a bottle containing some liquid (probably acid) & tried to pour it in her eyes. Anshika continuously struggled to escape & bit him in his hand. As a result, the bottle fell down in the car. Seeing Anshika trying to save herself from the miscreant, one of her friends screamed for help. Just then, that person hit at her face with a knife. As Anshika tried to resist with her right hand, she got her hand injured. The miscreant could not shut the car door so he threw Anshika out & fled.

Anshika Pandey displayed rare grit and determination in fearlessly fighting off the miscreant.

**कार्य:** 14 सितम्बर 2015 की सुबह, अंशिका पाण्डेय अपनी साइकिल पर स्कूल जा रही थी। घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर, एक एसयूवी गाड़ी के चालक ने उसे एक पता पूछने के बहाने रोका। जब वह पता बताने लगी, तो चालक ने कहा कि पीछे बैठे साहब को बता दीजिए। जैसे ही उसने साइकिल पीछे की ओर पता बताने लगी, उस व्यक्ति ने उसके बाल पकड़कर अंदर खींचने का प्रयत्न किया। अंशिका ने अपने पैर कार के दरवाजे में फँसा दिए ताकि दरवाजा बंद न हो सके। उस व्यक्ति ने चालक से एक बोतल माँगी जिसमें कुछ तरल पदार्थ (संभवतः एसिड) था। और अंशिका की आँखों में डालने का प्रयास किया। अंशिका निरंतर स्वयं को बचाने का प्रयत्न करती रही और उस व्यक्ति के हाथ में काट लिया। परिणामस्वरूप, बोतल गाड़ी में गिर गई। अंशिका की एक सहेली उसे बदमाश से जूझते देख, मदद के लिए चिल्लाने लगी। तब उस व्यक्ति ने चाकू से उसके चेहरे पर वार कर दिया। वार से बचने के लिए, अंशिका ने अपना दाँया हाथ आगे किया जिससे उसका हाथ जख्मी हो गया। बदमाश गाड़ी की दरवाजा बंद नहीं कर सका इसीलिए वह अंशिका को बाहर फेंककर भाग गया।

अंशिका ने निर्भीकतापूर्वक हमलावर का सामना कर अद्भुत साहस एवं दृढ़ता का परिचय दिया।